नई शिक्षा नीति 2020

अनुरूपः

अध्ययनमण्डलसंशोधितः

(28th July 2021)

चतुर्वर्षीयस्नातक-संस्कृत-पाठ्यक्रमः

(The course of Sanskrit for four year Under Graduate)

According to New Education Policy 2020

संस्कृतप्राकृतभाषाविभागः, लखनऊविश्वविद्यालयः

संस्कृतप्राकृतभाषाविभागः,लखनऊ विश्वविद्यालयः,लखनऊ

Proposed Structure UG- Sanskrit

Year	Semester	Major1			Major 2		Minor		CC/VC		Total Credits	Award
	Sanskrit			Credits		Credits		Credits		Credits		
I	Semester I	Paper 1	संस्कृतपद्यसाहित्यम्	4	Paper 1	4	Paper 1	4	**CC1**	4	24	**Certifcate**
		Paper 2	व्याकरणमनुवादश्च	4	Paper 2	4						
	Semester 2	Paper3	संस्कृतकाव्यशास्त्रम्	4	Paper 3	4	Paper 2	4	**VC1**	4	24	
		Paper 4	लघुसिद्धान्तकामुदा(हलसान्धप्रकरणम्)	4	Paper 4	4						
2	Semester 3	Paper 5	संस्कृतनाटकम्	4	Paper 5	4	Paper 3	4	**CC2**	4	24	**Diploma**
		Paper 6	अजन्तरूपसिद्धिः	4	Paper 6	4						
	Semester 4	Paper 7	संस्कृतगद्यसाहित्यम्	4	Paper 7	4	Paper 4	4	**VC2**	4	24	
		Paper 8	मध्यसिद्धान्तकौमुदी(स्त्रीनपुंसकलिंगप्रकरणम्)	4	Paper 8	4						
3	Semester 5	Paper 9	वेदो भारतीयसंस्कृतिश्च	4	Paper 9	4			**Internship/ Assignment**	4	24	**B.A Degree**
		Paper 10	आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्	4	Paper 10	4						
		Paper 11 A	संस्कृतरूपकं नाट्यशास्त्रञ्च	4								
		Paper 11 B	समासःछन्दःशास्त्रञ्च									
	Semester 6	Paper 12	उपनिषद्वाङ्मयं दर्शनञ्च	4	Paper 11	4			**Minor Project**	4	24	
		Paper 13	भारतीयधर्मशास्त्रम् नीतिशास्त्रञ्च	4	paper 12	4						
		Paper 14 A	राजतन्त्रमर्थशास्त्रञ्च	4								
		Paper 14 B	भारतीयवास्तुशास्त्रम्									
4	Semester 7	Paper 15	वेदो वेदवाङ्मयञ्च	4					**Research Methodology**	4	24	**B.A Research**
		Paper 16	काव्यं काव्यशास्त्रञ्च	4								
		Paper 17	भारतायदशनम्	4								
		Paper 18 A	भाषाविज्ञानं व्याकरणञ्च	4								
		Paper 18 B	संस्कृतं विज्ञानञ्च									
		Paper 19 A	पालिप्राकृतसाहित्यम्	4								
		Paper 19B	पुराणमितिहासश्च									
	Semester 8								**Major Project**	24	24	
				76		48		16		52	192	

नई शिक्षा नीति 2020 अनुरूपः

चतुवर्षीयस्नातक–संस्कृत–पाठ्यक्रमः

(The course of Sanskrit for four year Under Graduate)

According to New Education Policy 2020

संस्कृतप्राकृतभाषाविभागः, लखनऊविश्वविद्यालयः

स्नातक–प्रथमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. First Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 **(संस्कृतपद्यसाहित्यम्)** **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस,छंद,अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे

प्रथमो वर्गः (I Unit)

महाकविकालिदासकृतं कुमारसम्भवम् पञ्चमसर्गः श्लोकाः 1–50

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयो वर्गः (II Unit)

भारविकृतं किरातार्जुनीयम्–प्रथमसर्गः सम्पूर्णः

(मूलपाठस्य संस्कृतभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयो वर्गः (III Unit)

माघकृतं शिशुपालवधम्–प्रथमसर्गः श्लोकाः 1–50

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्यख्यात्मकमध्ययनम्)

चतुर्थो वर्गः (IV Unit)

संस्कृतपद्यसाहित्येतिहासः

(कालिदासः, भारविः, माघः, श्रीहर्षः, अश्वघोषश्च)

संस्तुत–ग्रन्थाः

- संस्कृत महाकाव्य की परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः)रायल् बुक् डिपो, लखनऊ
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः), डा. सत्यकेतु, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
- शिशुपालवधमहाकाव्यम् , केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग),डा.अशोककुमार शतपथी संस्कृत विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय
- कालिदास ग्रन्थावली आचार्य सीताराम चतुर्वेदी-चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम् महाकाव्य, अनु. श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी
- कालिदासमीमांसा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

स्नातक–प्रथमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. First Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 **(व्याकरणमनुवादश्च)** **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे ।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा ।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी ।
- स्वर,व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा ।

प्रथमो वर्गः (I Unit)

लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञाप्रकरणम्

द्वितीयो वर्गः (II Unit)

लघुसिद्धान्तकौमुदी – अच्सन्धिः

तृतीयो वर्गः (III Unit)

हिन्दीगद्यस्य संस्कृतभाषयानुवादः

चतुर्थो वर्गः (IV Unit)

संस्कृत व्याकरणशास्त्रस्त्येतिहासः

(पाणिनिः, कात्यायनः, पतञ्जलिः, भर्तृहरिः, भट्टोजिदीक्षितः, वरदराजः इत्येतेषां व्यक्तित्वं कर्तृत्वञ्च)

संस्तुत–ग्रन्थाः

- लघु सिद्धांत कौमुदी,वरदराज,भैमीव्याख्या,भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग),भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन

- लघु सिद्धांत कौमुदी (संज्ञा संधि प्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास युधिष्ठिर मीमांसक, रामलालकपूर ट्रस्ट रेवली

स्नातक–द्वितीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Second Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 (संस्कृतकाव्यशास्त्रम्) **T/04 Credits**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे ।
- छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे ।
- संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे ।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा ।

प्रथमो वर्गः (I Unit)

काव्यशोभा–पूर्वप्रकरणम् (01–03 शोभाः)

(व्याख्यात्मकसमीक्षात्मकप्रश्नाः)

द्वितीयो वर्गः (II Unit)

काव्यशोभा–पूर्वप्रकरणम् (04–06 शोभाः)

(व्याख्यात्मकसमीक्षात्मकप्रश्नाः)

तृतीयो वर्गः (III Unit)

काव्यशोभा–उत्तरप्रकरणम् (07–09 शोभाः)

(व्याख्यात्मकसमीक्षात्मकप्रश्नाः)

चतुर्थो वर्गः (IV Unit)

काव्यशोभा–उत्तरप्रकरणम् (शोभा10)

(व्याख्यात्मकसमीक्षात्मकप्रश्नाः)

संस्तुत–ग्रन्थाः

- काव्यशोभा,(साहित्यदर्पणात्संग्रहः) सम्पादकः प्रो0 बृजेशकुमार शुक्ल रायल बुक डिपो, लखनऊ
- साहित्यदर्पणः, विश्वनाथः चौखम्भा संस्थान, वाराणसी।
- संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास- बलदेव उपाध्याय चौखम्भा संस्थान, वाराणसी।

स्नातक–द्वितीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Second Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 (लघुसिद्धान्तकौमुदी, अनुवादो निबन्धश्च) **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **संस्कृत संधियों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे** ।
- **व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा** ।
- **संस्कृत निबंध लेखन तथा अनुवाद कौशल का विकास होगा ।**

प्रथमो वर्गः **(I Unit)**

लघुसिद्धान्तकौमुदी– हल् सन्धिः

द्वितीयो वर्गः **(II Unit)**

लघुसिद्धान्तकौमुदी – विसर्गसन्धिः

तृतीयो वर्गः **(III Unit)**

हिन्दीगद्यस्य संस्कृतभाषयानुवादः

चतुर्थो वर्गः **(IV Unit)**

निबन्ध–लेखनम्

संस्तुत–ग्रन्थाः

- लघु सिद्धांत कौमुदी , वरदराज, भैमी व्याख्या , भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग) ,भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी (संज्ञा संधि प्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास युधिष्ठिर मीमांसक, रामलालकपूर ट्रस्ट रेवली

स्नातक–तृतीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Third Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 (संस्कृतनाटकम्) **T/04 Credits**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- **संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे** |
- **नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे** |
- **नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे** |
- **संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे** |
- **नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी** |
- **भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे** |

प्रथमो वर्गः **(I Unit)**

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1–3 अङ्काः)

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयो वर्गः **(II Unit)**

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4–5 अङ्कौ)

तृतीयो वर्गः **(III Unit)**

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6–7 अङ्कौ)

चतुर्थो वर्गः **(IV Unit)**

उपर्युक्तनाटकोपरिसमीक्षात्मकप्रश्नाः सूक्तिव्याख्या च

संस्तुत–ग्रन्थाः

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ कपिल देव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान गोरखपुर

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भंडार, मेरठ
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ ए.वी.कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह
- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धांत ,जय कुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी,
- संस्कृतनाट्यमीमांसा, केशव राव मुसलगांवकर, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली.

स्नातक–तृतीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Third Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 (अजन्तरूपसिद्धिर्निबन्धश्च) **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **संस्कृत व्याकरण का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे** |
- **संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा** |
- **स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी** |
- **शब्द रचना के विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा** |

प्रथमो वर्गः (I Unit)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी– अजन्तपुलिङ्गप्रकरणम् (सूत्र–व्याख्या)

द्वितीयो वर्गः (II Unit)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी– अजन्तपुलिङ्गप्रकरणम् (रूपसिद्धिः संज्ञापरिचयश्च)

तृतीयो वर्गः (III Unit)

संस्कृतभाषया निबन्धलेखनम्

चतुर्थो वर्गः (IV Unit)

वामनजयादित्यः, हरदत्तमिश्र :, नागेशभट्टः इत्येतेषामाचार्याणामथ च

कातन्त्र–सरस्वतीकण्ठाभरण–व्याकरण-परिचयः

संस्तुत–ग्रन्थाः

- मध्यसिद्धान्तकौमुदी वरदराज (अजन्तप्रकरणम्) डॉ० बृजेशकमारशुक्ल प्रकाशनकेन्द्र लखनऊ
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद चंद्रिका, डॉ यदुनंदन मिश्र, , चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चंद्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल , मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- संस्कृत रचना, वी० एस० आप्टे, (अनु०) उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
- रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास युधिष्ठिर मीमांसक, रामलालकपूर ट्रस्ट रेवली
- शब्दरूपकौमुदी, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

- शब्दधातुचन्द्रिका, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

स्नातक–चतुर्थषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Fourth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 (संस्कृतगद्यसाहित्यं चम्पूकाव्यंच) **T/04 Credits**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- **विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों सुपरिचित हो सकेंगे**|
- **संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा** |
- **राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे** |
- **संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा** |

प्रथमो वर्गः **(I Unit)**

कादम्बरी–शुकनासोपदेशः–व्याख्यात्मकमध्ययनम्

(पूर्वार्द्धः– एवं समतिक्रामत्सु.....चिन्तितापि वञ्चयति इति यावत्)

द्वितीयो वर्गः **(II Unit)**

कादम्बरी–शुकनासोपदेशः–व्याख्यात्मकमध्ययनम्

(उत्तरार्धः– एवं विधयापि चानया दुराचारया..... स्वभवनमाजगाम इति यावत्)

तृतीयो वर्गः **(III Unit)**

षिवराजविजयम्– प्रथमो निःष्वासः

चतुर्थो वर्गः **(IV Unit)**

नलचम्पू– प्रथम उच्छवासः

संस्तुत–ग्रन्थाः

- शुकनासोपदेश,बाणभट्ट, (संपा.) चंद्रशेखर द्विवेदी,महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण 1986-87
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भंडार, मेरठ
- शुकनासोपदेश, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शुकनासोपदेश(कादंबरी), डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- शिवराजविजयम्, अंबिकादत्त व्यास संपा. शिव करण शास्त्री महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- शिवराजविजयम्, डॉ रमा शंकर मिश्र, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ देव नारायण मिश्र, साहित्य भंडार, मेरठ
- नलचम्पू त्रिविक्रमभट्ट, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी

स्नातक–चतुर्थषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Fourth Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 **(मध्यसिद्धान्तकौमुदी)** **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे** |
- **संस्कृत शब्द रचना का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा** |

प्रथमो वर्गः **(I Unit)**

मध्यसिद्धान्तकौमुदी– अजन्तप्रकरणम् (स्त्री., नपुं.)

(सूत्र–व्याख्या)

द्वितीयो वर्गः **(II Unit)**

मध्यसिद्धान्तकौमुदी– अजन्तप्रकरणम् (स्त्री., नपुं.) (रूपसिद्धिः संज्ञापरिचयश्च)

तृतीयो वर्गः **(III Unit)**

कृदन्तप्रकरणम् (ल.सि.कौ.) पूर्वकृदन्तम्

चतुर्थो वर्गः **(IV Unit)**

कृदन्तप्रकरणम् (ल.सि.कौ.) उत्तरकृदन्तम्

संस्तुत–ग्रन्थाः

- मध्यसिद्धान्तकौमुदी वरदराज (अजन्तप्रकरणम्) डॉ० बृजेशकमारशुक्ल प्रकाशनकेन्द्र लखनऊ
- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या , भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग) ,भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी डॉ रामकृष्ण आचार्य विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- कृदन्तसूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र ,लखनऊ

- शब्दरूपकौमुदी, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

स्नातक–पंचमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Fifth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 (वेदो भारतीयसंस्कृतिश्च) **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे** |
- **वैदिक एवं भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा** |
- **वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा** |

प्रथमो वर्गः **(I Unit)**

श्रुतिप्रभा (वेदसूक्तद्वयम्)

पुरुषसूक्तम्, मण्डूकसूक्तम् (मन्त्रव्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयो वर्गः **(II Unit)**

श्रुतिप्रभा (वेदसूक्तद्वयम्)

शिवसङ्कल्पसूक्तम्, पृथिवीसूक्तम् (मन्त्रव्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयो वर्गः **(III Unit)**

वेदेषु विज्ञानम्

चतुर्थो वर्गः **(IV Unit)**

भारतीयसंस्कृतिः

(पुरुषार्थचतुष्टयम्, वर्णाश्रमधर्माः.,संस्काराश्च)

संस्तुत–ग्रन्थाः

- ऋग्वेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल,पारडी

- यजुर्वेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल,पारडी
- अथर्ववेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल, पारडी
- श्रुतिप्रभा (वेदसूक्तानां संकलनम्), सम्पादकः- प्रो बृजेशकुमारशुक्लः, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- वेदामृतमंजूषिका, डा.प्रयागनारायणमिश्र, प्रकाशनकेन्द्र ,लखनऊ
- हिन्दू संस्कार- डा. राजबली पाण्डेय चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी0 वी0 काणे उ.प्र हिन्दी संस्थान ,लखनऊ
- वैदिक सृष्टि उत्पत्ति रहस्य डा.विष्णुकान्तवर्मा ,वैदिक प्रकाशन ,इलाहाबाद
- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भ समालोचनिका- प्रो बृजेश कुमार शुक्ल प्रतिभा प्रकाशन ,नई दिल्ली
- आपस्तम्बीय कर्ममींमासा,डा.प्रयागनारायणमिश्र,प्रतिभाप्रकाशन,दिल्ली
- वेद विज्ञान एवं ब्रह्माण्,डा. चन्द्रमणिसिंह , राका प्रकाशन इलाहाबाद
- वैदिक साहित्य का इतिहास, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

स्नातक–पंचमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Fifth Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 (आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्) **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **आधुनिक संस्कृत-कवियों से सुपरिचित होंगे।**
- **नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।**
- **आधुनिक संस्कृत-साहित्य के बाल-साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत-शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।**
- **आधुनिक संस्कृत-साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।**
- **आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।**

प्रथमो वर्गः (I Unit)

कविलोचिनका–प्रथमो भागः

(वालीविच्छितिः, कज्जलं मामवेहि, विपत्रितेयं जीवनलतिका, तदेवगगनं सैव धरा, रोटिकालहरी, नौकामिह सारं सारम्)

(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयो वर्गः (II Unit)

कविलोचिनका–द्वितीयो भागः

(जयतु मम स्वातन्त्र्यसरणिः, नैव यूकस्तु कर्णेषु नो रिङ्गति, तन्मनो भारतीयं कथं कल्पताम्, न भारतं विकीर्यताम् कापिशायनी, स्त्री)

(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयो वर्गः (III Unit)

सुधाभोजनम्, मण्डूकप्रहसनम्

चतुर्थो वर्गः (IV Unit)

आधुनिकसंस्कृतसाहित्येतिहासः

(पद्यसाहित्यम्, गद्यसाहित्यम्)

संस्तुत–ग्रन्थाः

- कविलोचनिका (अद्यतनकवीनां कवितासंग्रह) प्रो० बृजेशकुमारशुक्ल ए रायल बुक डिपोएलखनऊ
- सुधा भोजनम्- प्रो. अशोक कुमार कालिया ए अखिलभारतीय संस्कृत परिषद्एलखनऊ
- नवरूपकम् सम्पादक प्रो० बृजेशकुमारशुक्ल ए रायल बुक डिपो,लखनऊ
- संस्कृत वाङ्मय का वृहद इतिहास, सप्तम खंड आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण
- आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ सूची, (संपादक) राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
- http://www.sanskrit.nic.in/ASSP/index.html

स्नातक–पंचमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Fifth Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् -A

क्रेडिट–4 (संस्कृतरूपकं नाट्यशास्त्रंच) **T/04 Credits**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- **संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे** |
- **नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे** |
- **नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे** |
- **संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे** |
- **नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी** |
- **भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे** |

प्रथमो वर्गः **(I Unit)**

भवभूतिकृतम्– उत्तररामचरितम् (1–2 अङ्कौ)

(मूलपाठस्य हिन्दीसंस्कृतव्याख्या)

द्वितीयो वर्गः **(II Unit)**

भवभूतिकृतम्– उत्तररामचरितम् (3–4 अङ्कौ)

तृतीयो वर्गः **(III Unit)**

उत्तररामचरितस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

चतुर्थो वर्गः **(IV Unit)**

नाट्यशास्त्रस्य रससिद्धान्तस्य सामान्यपरिचयः

संस्तुत–ग्रन्थाः

- उत्तररामचरितम् भवभूतिः हिन्दीसंस्कृतटीकाकारः -डॉ० रमाशंकरत्रिपाठी
- उत्तररामचरितम् भवभूति हिन्दीसंस्कृतटीकाकार डॉ० कपिलदेवगिरि
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ ए.वी.कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह

- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धांत ,जय कुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी
- दशरूपकम् केशवराव मुसलगांवकर चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत नाट्य मीमांसा खण्ड-1, खण्ड-2 केशवराव मुसलगांवकर परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
- भवभूति, अनुवाद- केशवराव मुसलगांवकर, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातक–पंचमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Fifth Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् -B

क्रेडिट–4 (समासः छन्दशास्त्रंच) **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **संस्कृत समास का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे** |
- **संस्कृत छंदों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा** |
- **संस्कृत छंदों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे** |

प्रथमो वर्गः (I Unit)

लघुसिद्धान्तकौमुदी– अव्ययीभाव:, तत्पुरुष: च

द्वितीयो वर्गः (II Unit)

लघुसिद्धान्तकौमुदी–द्वन्द: बहुब्रीहिसमासश्च

तृतीयो वर्गः (III Unit)

वृत्तसंग्रहः (आर्या– अनुष्टुप–मन्दाक्रान्ता–इन्द्रवज्रा–उपेन्द्रवज्रा, उपजाति,भुजङ्गप्रयात छन्दसां लक्षणोदाहरणम्)

चतुर्थो वर्गः (IV Unit)

वृत्तसंग्रहः (वृत्तसंग्रहस्य अन्येषां छन्दसां लक्षणमुदाहरणंच)

संस्तुत–ग्रन्थाः

- लघु सिद्धांत कौमुदी , वरदराज, भैमी व्याख्या , भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग) ,भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- वृत्तसंग्रह- प्रो. वृजेश कुमार शुक्ल, रॉयल बुक डिपो लखनऊ
- वृत्तरत्नाकरः श्री केदारभट्ट, (व्या.) बल्देव उपाध्याय , चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली

- छन्दोऽलंकारसौरभम्, प्रो.राजेंद्र मिश्र, अक्षय वट प्रकाशन

स्नातक– षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Sixth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 (उपनिषद्वाङ्मयं दर्शनञ्च) **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे** |
- **वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा** |
- **वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा** |
- **उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा** |
- **औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे** |
- **वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा** |
- **भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।**
- **दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थ बोध होगा।**
- **दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा** |
- **दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।**
- **भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे ।**

प्रथमो वर्गः **(I Unit)**

कठोपनिषद् – प्रथमोऽध्यायः

प्रथमावल्ली

(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयो वर्गः **(II Unit)**

कठोपनिषद् – प्रथमोऽध्यायः

तृतीयो वर्गः (III Unit)

तर्कसंग्रहः

द्रव्यगुण –निरूपणम्

चतुर्थो वर्गः (IV Unit)

उपनिषदारण्यकानां षड्दर्शनानांच सामान्यपरिचयः

संस्तुत–ग्रन्थाः

- तर्कसंग्रह, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर,चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- कठोपनिषद्- गीताप्रेस, गोरखपुर
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट , (व्या०) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट ,(व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन , वाराणसी
- श्रीमद्भगवद्गीता , (सम्पा०) गजानन शंभू साधले शास्त्री,परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- श्रीमद्भगवद्गीता, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा प्रकाशन
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ करण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ,
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो.राममूर्ति शर्मा, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर
- भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- भारतीय दर्शन का इतिहास,एस.एन. दासगुप्ता (अनु) कला नाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम.हिरियन्ना, (अनु०) गोवर्धन भट्ट मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली
- वैदिक साहित्य का इतिहास, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- श्रीसिद्धान्तशिखामणिसमीक्षा, (षड्दर्शनीतुलनात्मिका), डा. भुवनेश्वरी भारद्वाज, शैवभारतीशोधप्रतिष्ठान, वाराणसी.

स्नातक–षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Sixth Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

क्रेडिट–4 (धर्मशास्त्रं नीतिशास्त्रं च) **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक धर्मशास्त्र एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे ।**
- **नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।**
- **भारतीय कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।**
- **सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे ।**
- **आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।**

प्रथमो वर्गः **(I Unit)**

मनुस्मृतिः – द्वितीयोऽध्यायः (1–30 श्लोकपर्यन्तम्)

द्वितीयो वर्गः **(II Unit)**

मनुस्मृतिः – द्वितीयोऽध्यायः (31–60 श्लोकपर्यन्तम्)

तृतीयो वर्गः **(III Unit)**

भर्तृहरिकृतं नीतिशतकम्(01–25 पद्यानि)

चतुर्थो वर्गः **(IV Unit)**

भर्तृहरिकृतं नीतिशतकम्(26–50 पद्यानि)

संस्तुत–ग्रन्थाः

- मनुस्मृतिः - चौखम्भा संस्कृत संस्थान,वाराणसी
- नीतिशतकम् - मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान,लखनऊ
- आपस्तम्बीयमध्यात्मपटलम्- डा. प्रयागनारायण मिश्र, संस्कृतविभाग,लखनऊ विश्वविद्यालय,लखनऊ
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता , विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
- नीतिशतकम्, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी

स्नातक–षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Sixth Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् - A

क्रेडिट–4 (राजतन्त्रमर्थशास्त्रञ्च) **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक राजतन्त्र एवं राजनैतिक मूल्यों से परिचित होंगे ।**
- **राजनीत विषयक धर्म विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।**

प्रथमो वर्गः (I Unit)

(१) विद्यासमुद्देशः ॥ १ ॥ वृद्धसंयोगः ॥ २ ॥ इन्द्रियजयः ॥ 3 ॥ अमात्योत्पत्तिः ॥ 4 ॥ मन्त्रिपुरोहितोत्पत्तिः ॥ 5॥ उपधाभिः शौचा शोचज्ञानममात्यानाम् ॥ 6 ॥

द्वितीयो वर्गः (II Unit)

गूढपुरुषोत्पत्तिः ॥ 7 ॥ गूढपुरुषप्रणिधिः ॥ 8 ॥ स्वविषये कृत्याकृत्यपक्षरक्षणम् ॥ 9 ॥ परविषये कृत्याकृत्यपक्षो पग्रहः ॥ 1० ॥ मन्त्राधिकारः ॥11 ॥ दूतप्रणिधिः ॥ 12 ॥

तृतीयो वर्गः (III Unit)

मनुस्मृतिः 08/2–25 श्लोकाः

चतुर्थो वर्गः (**IV Unit**)

मनुस्मृतिः 08/26–50 श्लोकाः

संस्तुत–ग्रन्थाः

- अर्थशास्त्रम् ,कौटिल्य,चौखम्भा विद्याभवन,वाराणसी
- मनुस्मृतिः, मनु,चौखम्भा संस्कृत संस्थान,वाराणसी
- याज्ञवल्क्यस्मृति – याज्ञवल्क्यः, चौखम्भा संस्कृत संस्थान,वाराणसी
- धर्मशास्त्र का इतिहास - पी वी काणे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान,लखनऊ
- शुक्रनीति. शुक्राचार्यः,चौखम्भा संस्कृत संस्थान,वाराणसी
- विदुरनीति. विदुरः,चौखम्भा संस्कृत संस्थान,वाराणसी
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता , विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर

स्नातक–षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Sixth Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् -B

क्रेडिट–4 (भारतीवास्तुशास्त्रम्) **T/04 Credits**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।**
- **भारतीय प्राचीन ज्ञान धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।**
- **वास्तु शास्त्र के महत्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे।**
- **वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।**

प्रथमो वर्गः (I Unit)

भारतीवास्तुशास्त्रस्य सामान्यपरिचयः

द्वितीयो वर्गः (II Unit)

वास्तुरत्नाकरः,
भूपरिग्रहप्रकरणम्,दिक्शोधनं, शल्योद्धारणम्

तृतीयो वर्गः (III Unit)

वास्तुरत्नाकरः
पिण्डायनयनप्रकरणम्

चतुर्थो वर्गः (IV Unit)

वास्तुरत्नाकरः
गृहोपकरणप्रकरणम्

संस्तुत–ग्रन्थाः

- वास्तुरत्नाकर,विन्धेश्वरीप्रसाद द्विवेदी,चौखम्भा संस्कृत संस्थान,वाराणसी
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम,पीयूषधारा टीका सहित,मोतीलाल बनारसी दास,दिल्ली
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम,श्रीदुर्गा पुस्तकभण्डार,प्रयागराज
- भारतीय वास्तु शास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

- बृहद् वास्तुमाला, राम मनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी,
- वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली

स्नातकसप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(BA Seventh Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

(**वेदो वेदवाङ्मयञ्च**)

Credits-04 **T/04 Credits**

Course Outcome

After completion of the Paper the Students

- will know about the nature, action and representation of some Vedic deities.
- will be able to explain meaning of the Vedic hymns according to some famous commentaries of ancient and modern commentators.
- will try to recite Vedic mantras in their true form with the knowledge of Vedic Svara and grammar.
- will be able to understand Vedas as our valuable ancient heritage.
- will be successful in applying this knowledge for exploring other Vedic texts.

प्रथमो वर्गः (Unit I)

ऋग्वेदः - अग्निमारुतसूक्तम् 1.19, वरुणसूक्तम् 1.25, सूर्यसूक्तम् 1.115, विष्णुसूक्तम् 1.154, इन्द्रसूक्तम् 2.12, इत्येतेषां मन्त्राणां व्याख्यात्मकमध्ययनम्

द्वितीयो वर्गः (Unit II)

सामवेदः - यज्ञायज्ञीयसूक्तम् 1.4,,अथर्ववेदः - मेधाजनसूक्तम् 1.1, राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम् 1.29, राष्ट्रसभासूक्तम् 7.12, सामनस्यसूक्तम् 3.30, इत्येतेषां मन्त्राणां व्याख्यात्मकमध्ययनम्

तृतीयो वर्गः (Unit III)

पदपाठनियमाः वैदिकव्याकरणञ्च

चतुर्थो वर्गः (Unit IV)

वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- ऋक्सूक्तसङ्ग्रहः - डॉ. हरिदत्त शास्त्री साहित्य भंडार ,मेरठ
- अथर्ववेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल ,पारडी
- वेदामृतमंजूषिका डा.प्रयागनारायणमिश्र प्रकाशनकेन्द्र ,लखनऊ
- वैदिक व्याकरण - डॉ. रामगोपाल
- वैदिक साहित्य और संस्कृति - प्रो. बलदेव उपाध्याय चौखम्भा संस्कृत संस्थान,वाराणसी
- वैदिकसाहित्य और संस्कृति का बृहद् इतिहास - प्रो. ओम् प्रकाश पाण्डेय ईस्टर्न बुक डिपो,दिल्ली
- संस्कृतवाङ्मय का वृहद् इतिहास वेदाङ्गखण्ड - प्रो. ओम् प्रकाश पाण्डेय उ,प्र,संस्कृत संस्थान,लखनऊ

स्नातकसप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(BA Seventh Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

(काव्यं काव्यशास्त्रञ्च)

Credits-04 **T/04 Credits**

Course Outcome

After completion of the Paper the Students

- will know about the rich Sanskrit literary tradition.
- will be able to appreciate the aesthetical, political, social, cultural values expressed in prescribed literary composition.
- will form a deep understanding of the fundamental terminologies of kavya as presented by Mammata.
- will acquire an in-depth knowledge of the theories of meaning, the importance of suggestive meanings and rasa in poetry.
- will be successful in applying this knowledge for critical analysis in the light of suggestive meanings.
- will gain the ability to explaining and critically analyzing the prescribed texts.
- will be able to appreciate and enjoy the expressions of poetry.

प्रथमो वर्गः (Unit I)

नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः) 1-35 श्लोकपर्यन्तं व्याख्यात्मकमध्ययनम्

द्वितीयो वर्गः (Unit II)

नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः) 36-70 श्लोकपर्यन्तं समीक्षात्मकमध्ययनम्

तृतीयो वर्गः (Unit III)

नैषधीयचरितस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

चतुर्थो वर्गः (Unit IV)

काव्यप्रकाशः (1-3 उल्लासाः) मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

संस्तुत-ग्रन्थाः

- नैषधीयचरितम् नारायणीटीकोपेतम् - उत्तर प्रदेश संस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ
- नैषधीयचरितम् - शेषराज शर्मा रेग्मी
- नैषधपरिशीलनम् - डॉ. चण्डिका प्रसाद शुक्ल
- काव्यप्रकाशः - वामनझलकीकरटीकोपेतः
- काव्यप्रकाशः - हिन्दीव्याख्याकारः, आचार्य विश्वेश्वरः ज्ञानमंडल निकेतन,विराणसी
- काव्यप्रकाशः – डॉ. गंङ्गानाथझाकृताङ्ग्लानुवादसहितः
- संस्कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास – पी. वी. काणे

स्नातकसप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(BA Seventh Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

(भारतीयदर्शनम्)

Credits-04 **T/04 Credits**

Course Outcome

After completion of the Paper the Students

- will be able to critically analyse and examine the fundamental concepts of Nyaya Philosophy.
- will be able to understand and explain the prescribed text and the conceptual terms therein.
- will be able to critically analyse the prescribed theories.
- get to know the scientific approach of Nyaya-Vaisheshika philosophers in the analysis of the phenomenal world and its process of evolution.
- understand the contribution of Nyaya-Vaisheshika philosophers in the epistemological studies, application of which is very important in the day to day life situations; helping them in the proper judgment of the Truth.

प्रथमो वर्गः (Unit I)

तर्कभाषा- आदित प्रमाणप्रकरणसमाप्तिं यावत्, मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

द्वितीयो वर्गः (Unit II)

तर्कभाषा- प्रमेयनिरूपणादारभ्य ग्रन्थसमाप्तिपर्यन्तम्

,मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

तृतीयो वर्गः (Unit III)

साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी 1-25 कारिका- मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

चतुर्थो वर्गः (Unit IV)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- तर्कभाषा - केशवमिश्रः, आचार्यविश्वेश्वरः चौखम्भा संस्कृतसंस्थान,वाराणसी
- तर्कभाषा - गजाननशास्त्री मुसलगांवकर चौखम्भा संस्कृतसंस्थान,वाराणसी
- सांख्यतत्त्वकौमुदी,आद्याप्रसाद मिश्र,अक्षयवट प्रकाशन,इलाहाबाद
- सांख्यतत्त्वकौमुदी,गजाननशास्त्री मुसलगांवकर,चौखम्भा संस्कृतसंस्थान,वाराणसी
- भारतीयदर्शन – उमेशमिश्रः उ.प्र,हिन्दी संस्थान,लखनऊ
- भारतीयदर्शन – डॉ. राधाकृष्णन् ,राजपाल एण्ड संस दिल्ली
- भारतीयदर्शन - चटर्जी एवं दत्त पुस्तक भंडार पटना
- भारतीय दर्शन विशद विवेचन, डा.गीता शुक्ला, युवराज पब्लिकेशन्स आगरा
- तर्कभाषा ,डा.गीता शुक्ला, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट , (व्या०) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट ,(व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन , वाराणसी
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर,
- भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी,
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली,
- भारतीय दर्शन का इतिहास,एस.एन. दासगुप्ता (अनु) कला नाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर,
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली,
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम.हिरियन्ना , (अनु०) गोवर्धन भट्ट मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाश, दिल्ली

स्नातकसप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(BA Seventh Semester)

चतुर्थप्रश्नपत्र (क)

(भाषाविज्ञानं व्याकरणञ्च)

Credits-04 **T/04 Credits**

Course Outcome

After completion of the Paper the Students

- will be able to observe and analyse Sanskrit language with reference to the development's taken place with the advent of modern linguistics.
- understand the basic concepts of historical linguistics and we'll know the rules of language change and their application in Sanskrit.
- will be able to observe and appreciate the contribution of the ancient Indian thinkers of the philosophy of language and linguistic.
- Will be able to understand the important relevant and their purposes of the study of the grammar.
- Will be able to understand the nature of the word, meaning and their relation.
- Will be able to understand the Sphota theory of the grammarians.

प्रथमो वर्गः (Unit I)

सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरणम्- प्रथमाविभक्ति)

द्वितीयो वर्गः (Unit II)

भाषाविज्ञानस्य भाषिकरूपं भाषिकदृष्टयश्च लोक-भाषा, भाषा, ऐतिहासिक-समसमायिक-रचनात्मक-प्रजनक-सम्प्रेषणात्मिका भाषादृष्टयः

तृतीयो वर्गः (Unit III)

भाषाविज्ञानस्य शाखा - ध्वनिविज्ञानम्, रूपविज्ञानम्, पदवाक्यविज्ञानमर्थविज्ञानञ्च

चतुर्थो वर्गः (Unit IV)

संस्कृतभाषाविज्ञानम् – उपभाषास्वरूपम् – पालिः - प्राकृतमपभ्रंशश्च, वैदिकभाषा – लौकिकसंस्कृतञ्च

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या , भीमसेन शास्त्री,भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- सिद्धांत कौमुदी,तारणीस झा,प्रकाशन केन्द्र लखनऊ
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र , कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी , द्वादश संस्करण
- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

स्नातकसप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(BA Seventh Semester)

चतुर्थप्रश्नपत्र(ख)

(संस्कृतं विज्ञानञ्च)

Credits-04 **T/04 Credits**

Course Outcome

After the completion of this the course students:

- will be able to know the importance of the ancient mathematics, astronomy and architecture science.
- will be able to know significance of the ancient Physics, Chemistry and Military science in Sanskrit.
- will be able to know the Ayurveda, Botany and Zoology in Sanskrit literature.

प्रथमो वर्गः(Unit I)

संस्कृतवाङ्मये गणित- ज्योतिष-वास्तुविज्ञानम्

द्वितीयो वर्गः(Unit II)

संस्कृतवाङ्मये भौतिकी अभियान्त्रिकी रसायनं सैन्यविज्ञानञ्च

तृतीयो वर्गः(Unit III)

संस्कृतसाहित्याभिमतं भूगर्भ-वनस्पति- पर्यावरणविज्ञानम्

चतुर्थो वर्गः(Unit IV)

संस्कृतसाहित्ये कृषिवाणिज्य- प्रबन्धविज्ञानम्

प्राणिशास्त्रमायुर्विज्ञानञ्च

संस्तुत-ग्रन्थाः

1- वैदिकस सृष्टि उत्पत्ति रहस्य डा.विष्णुकान्तवर्मा ,वैदिक प्रकाशन ,इलाहाबाद

2- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भ समालोचनिका- प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल ,प्रतिभा प्रकाशन ,नई दिल्ली

3- संस्कृतवाङ्मय मे विज्ञान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद,दिल्ली

4- वेद विज्ञान एवं ब्रह्मांड चन्द्रमणिसिंह राका प्रकाशन इलाहाबाद

स्नातकसप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(BA Seventh Semester)

पंचमप्रश्नपत्रम्(क)

(पालिप्राकृतसाहित्यम्)

Credits-04 **T/04 Credits**

Course Outcome

After completion of the Paper,

- the Students will learn the basics of Pali grammar and vocabulary through direct study of selections from the Buddha's discourses.
- It thus aims to enable students to read the Buddha's discourses in the original as quickly as possible. The textbook for the course is Dhammapada which includes.
- The students will know the relation between Sanskrit and Pali Language.
- The students will enable to read ancient Buddhist scriptures.

प्रथमो वर्गः (Unit I)

धम्मपदम् (1-10 वग्गाः) मूलपाठस्य व्याख्यात्मकध्ययनम्

द्वितीयो वर्गः (Unit II)

कर्पूरमंजरी मूलपाठस्य व्याख्यात्मकध्ययनम्

तृतीयो वर्गः (Unit III)

ग्रन्थद्वयस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

चतुर्थो वर्गः (Unit IV)

पालिप्रकृतव्याकरणाभ्यासः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- धम्मपदं-व्याख्या. कन्छेदी लाल गुप्त, प्रका. चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- धम्मपद- सम्पा. भिक्षु धर्मरक्षित, प्रका. मास्टर खेलाडी़लाल संकटा प्रसाद, संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी-1
- कर्पूरमञ्जरी-व्याख्या. रामकुमार आचार्य, प्रका. चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- कर्पूरमञ्जरी-व्याख्या. चुन्नीलाल शुक्ल, प्रका. साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
- पालि व्याकरण- भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
- प्राकृत प्रकाश- वररुचि, प्रका. चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- पालि प्रवेशिका- डा. कोमलचन्द्र जैन, प्रका. तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
- प्राकृत दीपिका- डा. सुदर्शन लाल जैन, प्रका. पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी
- पालि-प्राकृत-अपभ्रंश संग्रह- रामअवध पाण्डेय, रविनाथ मिश्र, प्रका. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

स्नातकसप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(BA Seventh Semester)

पंचमप्रश्नपत्रम्(ख)

(पुराणेतिहासः)

Credits-04 **T/04 Credits**

Course Outcome

After the completion of this the course students:

- will be able to learn about the behavioural values, ethics and belief patterns through the individual characters of the epics.
- will be able to explain the aesthetic and poetic beauty and style of presentation of the texts of Ramayana and Mahabharata.
- will get the knowledge of the historic value of Ramayana and Mahabharata.
- will learn about the social, economic, geographical, political, philosophical and educational aspects of Ramayana and Mahabharata.

प्रथमो वर्गः (Unit I)

पुराणेतिहासलक्षणम्

द्वितीयो वर्गः (Unit II)

पुराणानां भेद-प्रभेदाः

तृतीयो वर्गः (Unit III)

श्रीमद्रामायणम् – सामान्यपरिचयः

चतुर्थो वर्गः (IV)

श्रीमन्महाभारतम् – सामान्यपरिचयः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- पुराण-विमर्शः - बलदेव उपाध्यायः चौखम्भा संस्कृत संस्थान,वाराणसी
- पुराणसाहित्यदर्शः - प्रो. बृजेशकुमारशुक्लः नाग प्रकाशक,दिल्ली
- श्रीमद्रामायणम् - गीताप्रेस, गोरखपुरम्
- श्रीमन्महाभारतम् - गीताप्रेस, गोरखपुरम्

स्नातक-अष्टमषाण्मासिकसत्रम्

(BA Eighth Semester)

बृहत्परियोजना

Credits-04 Research project

(Major Project)

संस्कृतसाहित्यमधिकृत्य अनुसन्धानात्मिका बृहत्परियोजना शोधप्रकल्पञ्चास्मिन,सत्रे परिकल्पितं वरीवर्ति |